मूल्य-परक शिक्षा : क्यों जरूरी?

डॉ. संजय कुमार
अध्यक्ष, मूल्य-परक शिक्षा प्रकोष्ठ, बी. आई. टी. मेसरा, राँची

आज विज्ञान और समृद्धि के साधनों में निरंतर विकास के बाद भी मनुष्य दुःखी, अशांत और असंतुष्ट है, क्यों? बर्नाड रसेल का कथन है "ज्ञान एक ताकत है, किंतु यह ताकत अच्छे के लिए भी उतना ही है, जितना बुरे के लिए, अतः जबतक मनुष्य में ज्ञान के साथ बुद्धिमत्ता विकसित नहीं होगी, ज्ञान का विस्तार सिर्फ दुःखों का विस्तार होगा।" डॉ. सर्वपल्लि राधाकृष्णन ने कहा था "मनुष्य को सिर्फ तकनीकि दक्षता नहीं, बल्कि आत्मा की महानता भी प्राप्त करने की जरूरत है। विज्ञान महत्वपूर्ण है, किंतु उचित और अनुचित की धारणा विज्ञान के क्षेत्र में नहीं है। मनुष्य के दृष्टिकोण को व्यापक और बुद्धिमत्तापूर्ण बनाने के लिए चाहिए अध्यात्म का ज्ञान। किसी भी संस्कृति के संतुलित विकास के लिए विज्ञान और अध्यात्म दोनों का ज्ञान अनिवार्य है।" अध्यात्म का ज्ञान मानवीय-मूल्यों (ह्यूमन वैल्यूस्) की समझ देता है।

मनुष्य के वे गुण मानवीय मूल्य कहलाते हैं, जो जीवन को सामंजस्य पूर्ण और योगदान पूर्ण बनाने की योग्यता रखते हैं। मनुष्य की पहचान मानवीय-मूल्यों के अनुरूप उसके आचरण में ही निहित है। शिक्षा में मानवीय-मूल्यों की समझ एकीकृत करना मूल्य-परक शिक्षा का ध्येय है। मूल्य-परक शिक्षा मानवीय-मूल्यों और उसके अनुरूप आचरण की समझ प्रदान करती है।

मूल्य-परक शिक्षा के अभाव में हमने दूरदृष्टि खो दी है, जीवन का अर्थ खो दिया है, जीवन के ऊँचे मूल्यों की और सच्चे सुख की समझ खो दी है। हम स्वयं वैसा नहीं करते, जैसा दूसरों से अपेक्षा करते हैं। वही करना पसंद करते हैं जो स्वार्थपूर्ण दृष्टि से लाभप्रद लगता है। अपने अधिकारों पर जोर देते हैं, किंतु कर्तव्यों की परवाह नहीं करते। महत्वहीन बातों पर हमारा टकराव हो रहा है और हम नई-नई समस्याओं को जन्म दे रहे हैं। हम भ्रमित हैं और नहीं जानते कि जीवन में क्या चाहिए। हमारे लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्या है? हमारा लक्ष्य क्या है? सफल होने का मतलब क्या है? हम इच्छा और आवश्यकता के बीच अंतर को समझ नहीं पा रहे, अंतर्द्वन्द्व से घिरे हैं, कुंठा और तनाव से भरे हैं, आत्मविश्वास खो चुके हैं। सामाजिक सरोकार घटा है, शीघ्र और आसानी से परिणाम पाने की लालसा बढ़ी है। फलतः आज मनुष्य आतंकवाद, अविश्वास, असुरक्षा, हिंसा, शोषण, भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण और युद्ध की संभावना से भरे माहौल में जीने को विवश है।